Set 13-14

विषय कोड / Subject Code : 377 पुस्तिका क्रम / Question Paper Series : A

विषय / Subject : Rajasthani (Lang.)

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या /
Number of Pages in Booklet : 16

A 3770113

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या /
Number of Questions in Booklet : 75

प्रश्न पत्र – तृतीय / QUESTION PAPER - 3

अनुक्रमांक / Roll No. (अंकों में / In figures) : | | | | | |

(शब्दों में / In Words) ....

समय / Time : $2\frac{1}{2}$ घंटे / Hours पूर्णांक / Maximum Marks : 150

INSTRUCTIONS :

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken the correct answer.
6. There will be no negative marking for wrong answer.
7. The candidate should ensure that Roll Number, Subject Code and Series Code on the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. The candidate will be allowed to carry the carbon print-out of OMR Response Sheet with them on conclusion of the examination.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.

निर्देश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी सही उत्तर वाले गोलें को काला करें ।
6. गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन नहीं किया जाएगा ।
7. प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक पर समान रूप से अनुक्रमांक, विषय कोड एवं प्रश्न पुस्तिका की सीरीज अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न–पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न–पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. अभ्यर्थी अपने साथ उत्तर पत्रक की संलग्न कार्बन प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

1 राजस्थानी भाषा रै पर्याय रै रूप मांय 'मारु' भाषा रौ उल्लेख सबसूं पैली किण पोथी मांय हुयो ?

(1) जैन गुर्जर कविओ (2) नागराज डिंगल कोष

(3) कुवलयमाला (4) अनेकार्थी कोष

2 राजस्थानी भाषा री 'गोड़वाड़ी' उप बोली कुण सा जिला रै मांय बोली जावै है?

(1) उदयपुर जिला में (2) पाली जिला में

(3) बाड़मेर जिला में (4) जोधपुर जिला में

3 कुण सी बोली राजस्थानी भाषा री बोली नीं है?

(1) मारवाड़ी (2) मेवाड़ी

(3) ढूंढाड़ी (4) बाँगडू

4 इणां में जातिवाचक संज्ञा सूं सम्बन्धित वाक्य कुण सौ है?

(1) आज रौ मिनख रूंखडां रौ दुसमण है।

(2) मथाणिया री मिरचां जग चावी है।

(3) गांधीजी सत्य अर अहिंसा रा पुजारी हा।

(4) राजस्थान रा वीर देवता ज्यूं पूजीजै।

5 'करण कारक' रौ विभक्ति चिन्ह है –

(1) सूं (2) सारू, वास्ते

(3) नै (4) रा, रै, री

6 'अंजल उठणौ' मुहावरै रौ अर्थ है –

(1) धोखो देवणो (2) नुकसाण करणो

(3) संबंध टूटणो (4) हार मानणी

7 द्विगु समास है –

(1) रात-दिन (2) चतुरभुज

(3) चन्द्रमुखी (4) त्रिफला

8 सारंग ले सारंग चली, सारंग पूगो आय।

सारंग ले सारंग घट्यौ, सारंग सारंग माय।

इण दूहा रै मांय कुण सौ अलंकार है ?

(1) अनुप्रास (2) यमक

(3) पुनरूक्ति (4) वक्रोक्ति

9 'सिंघ गयौ अर हाथी आयौ' वाक्य मांय कुण सौ अव्यय है?

(1) क्रिया विसेसण (2) संबंध बोधक

(3) समुच्चय बोधक (4) विस्मयादि बोधक

10 नीचै लिख्योड़ी कुण सी पंक्ति रा सगळा नांव स्त्रीलिंग है ?

(1) जाखोड़ौ, गऊ, गोधौ, भैंस (2) घाळी, सांयढ, जाजम, भाळी

(3) हाथी, घोड़ौ, छोटौ, टिपूड़ौ (4) घोनी, टोगड़ी, हय, गय

11 'कान्हड़दे – प्रबन्ध' काव्य रौ प्रधान रस है –

(1) रौद्र (2) शृंगार

(3) शांत (4) वीर

12 'भरतेश्वर बाहुबलि घोर' काव्य रै मांय वर्णित जुद्ध किणां रै बीच हुयौ?

(1) बाप – बेटा रै मांय (2) मामा – भाणजा रै मांय

(3) भाई – भाई रै मांय (4) काका – भतीजा रै मांय

13 'ईसरा सो परमेसरा' री ओपमा किण कवि सारु चावी नै ठावी है?

(1) ईसरदास बारहठ (2) श्रीधर व्यास

(3) अल्लूजी कविया (4) सूरायच टापरिया

14 'ढोला – मारू रा दूहा' रौ सबसूं पैली संकलन करियौ –

(1) सूर्यकरण पारीक (2) कुशल–लाभ

(3) जिन हर्ष (4) समय सुन्दर

15 प्राकृत भाषा सूं 'भगवती री जोड़' नांव सूं सब सूं पैली अर सबसूं बड़ो राजस्थानी भाषा रै मांय अनुवाद कुण कर्‌यौ?

(1) जिनवर्द्धन (2) जयाचार्य

(3) जिनसागर (4) जिन लाभ

16 इणां मांय सूं कुण सी रचना ईसरदास बारहठ री है ?

(1) सूरज प्रकाश (2) बिन्है रासो

(3) हालां झालां रा कुंडलिया (4) राणा रासो

17 भगत कवयित्री मीराँबाई रौ ससुराल हो –

(1) कुंभलगढ़ (2) माण्डलगढ़

(3) मेहरानगढ़ (4) चित्तौडगढ़

18 'राम–रासौ' काव्य रौ रचनाकार कुण है?

(1) माधौदास दधवाड़िया (2) नरहरिदास बारहठ

(3) कुंभकरण सांदू (4) जग्गाजी खिड़िया

19 मेवाड़ राजधराणै सूं जुड़ियोड़ा साहित्यकार है –

(1) महाराजा मानसिंह (2) महाराजा जसवंत सिंह

(3) महाराज चतुरसिंह (4) महाराजा अनूपसिंह

20 कवि समयसुन्दर रौ सम्बन्ध है –

(1) जैन काव्य परम्परा सूं (2) चारण काव्य परम्परा सूं

(3) निर्गुण काव्य परम्परा सूं (4) सूफी काव्य परम्परा सूं

21 'रघुवरजस प्रकास' पोथी रौ रचनाकार है –

(1) मंछ कवि (2) किशना आढ़ा

(3) मुरारीदान (4) चंडीदान

22 राजस्थानी भाषा री किण विधा रै मांय गद्य, तुकांत शैली रै मांय लिख्यौ जावै ?

(1) ख्यात (2) वात

(3) विगत (4) वचनिका

23 'वात' किण बात सूं आछी लागै अर ओपै –

(1) सुणणावाला सूं (2) हूंकारा सूं

(3) अलंकारा रै प्रयोग सूं (4) लिपिबद्ध करबा सूं

24 सांप रौ सम्बन्ध किण लोक देवता सूं मानीजै ?

(1) गोगाजी (2) पाबूजी

(3) हड़बूजी (4) रामदेवजी

25 सिद्ध जसनाथजी रौ जलम हुयो –

(1) पीपासर (2) समराथल

(3) कतरियासर (4) लालासर

26 संत रज्जबजी किणरा शिष्य हा –

(1) जांभोजी रा (2) चरणदासजी रा

(3) हरिदासजी रा (4) दादूजी रा

27 उत्सव रै मांय 'ताल' अर 'नृत्य' रै सागै गाई जाणे वाली रचना रौ नांव है –

(1) मंगल (2) चैत्य परिपाटी

(3) चर्चरी (4) धमाल

28 'पृथ्वीराज रासौ' रै अध्यायां रौ नांव किण तटै सूं दियोड़ौ है ?

(1) समय (2) सर्ग

(3) सोपान (4) काण्ड

29 'कुशल लाभ' जैसलमेर रै किण राजा रा समकालीन कवि हा ?

(1) रावळ जैसल (2) रावळ हरराज

(3) रावळ दूदा (4) रावळ देवराज

30 संत कवयित्री सहजोबाई रौ सम्बन्ध है –

(1) पतिव्रता व्रत सूं (2) करूणा सूं

(3) भगति सूं (4) जौहर करणै सूं

31 'वीरमायण' काव्य किण कवि री रचना है?

(1) भांडउ व्यास (2) पद्मनाभ

(3) वीठू मेहा (4) बादर ढाढ़ी

32 इणां कवियां रै मांय कुण कवि राष्ट्रीय काव्यधारा रौ कवि नीं है ?

(1) जमणाजी बारहठ (2) दुरसा आढ़ा

(3) गोरधन बोगसा (4) माधोदास दधवाड़िया

33 'माधवानल – कामकन्दला' प्रबन्ध किण परम्परा री रचना है ?

(1) प्रेमाख्यान परम्परा
(2) पौराणिक परम्परा
(3) ऐतिहासिक परम्परा
(4) सूफी परम्परा

34 सरल अर सुबोध टीका रौ नांव है –

(1) टब्बा
(2) औक्तिक
(3) बालावबोध
(4) प्रश्नोत्तरी

35 'पीथल' उपनांव किण कवि सारू जग चावौ है ?

(1) रामनाथ कविया
(2) पृथ्वीराज राठौड़
(3) वीठू सूजा
(4) रेवतदान

36 'पद्मनी चरित' काव्य कृति रौ रचनाकार है –

(1) जटमल
(2) भाग्योदय
(3) लब्धोदय
(4) धर्मवर्द्धन

37 राजस्थानी भाषा अर साहित्य माथै सबसूं पैली बार शोध – खोज करणिया विदेशी विद्वान रौ नांव है –

(1) ग्रियर्सन
(2) केलॉग
(3) डॉ. एल. पी. टेसीटरी
(4) कर्नल जेम्स टॉड

38 'गीत तांतिया टोपै रौ' रा कवि है –

(1) शंकरदान सामोर
(2) बांकीदास आशिया
(3) केसरी सिंह बारहठ
(4) सूर्यमल मीसण

39 जाम्भोजी रौ जलम किण जात रै मांय हुयौ ?

(1) बिश्नोई (2) पंवार राजपूत

(3) तंवर राजपूत (4) जाट

40 'मल्लीनाथजी' रौ मूल नांव हो –

(1) रावळ मालजी (2) राव मालदेवजी

(3) जगमालजी (4) वीरमदेवजी

41 प्रकृतिपरक काव्य लिखणिया सिरै कवि है –

(1) रेवतदान चारण (2) चन्द्रसिंह बिरकाली

(3) सत्येन जोशी (4) मूलचंद प्राणेश

42 नई कविता सूं जुड़ियोड़ा कवि है –

(1) कानदाम कल्पित (2) सीताराम महर्षि

(3) किशोर कल्पनाकांत (4) तेजसिंह जोधा

43 'अमर चून्दड़ी' कहाणी संग्रै रा कहांणीकार है –

(1) अशोक जोशी 'क्रान्त' (2) करणीदान बारहठ

(3) नृसिंह राजपुरोहित (4) सांवर दईया

44 कुणसी रचना डॉ. नारायणसिंह भाटी री नीं है ?

(1) केसर (2) मीरां

(3) सांझ (4) ओळूं

45 सीताराम लाळस किण काम सूं जाणीजै ?

(1) कहाणीकार (2) कोशकार

(3) कवि (4) सम्पादक

46 इणां मांय सूं कुण राजस्थानी नाटककार नीं है ?

(1) शिवचन्द्र भरतिया (2) आज्ञाचन्द्र भण्डारी

(3) अर्जुनदेव चारण (4) सुमेरसिंह शेखावत

47 इणां मांय सूं कुण उपन्यासकार नीं है ?

(1) मेघराज मुकुल (2) अन्नाराम सुदामा

(3) यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र (4) डॉ. शान्ति भारद्वाज

48 इणां मांय सूं कुण निबन्धकार है ?

(1) डॉ. कल्याणसिंह शेखावत (2) आज्ञाचंद भण्डारी

(3) हनुमान दीक्षित (4) गुलाबचन्द नागौरी

49 आधुनिक कहाणी रा प्रवर्तक मान्या जावै –

(1) नृसिंह राजपुरोहित (2) रामेश्वरदयाल श्रीमाली

(3) डॉ. मनोहर शर्मा (4) शिवचन्द्र भरतिया

50 'ओळूं री आखियातां' किण विधा री पोथी है ?

(1) आत्मकथा (2) संस्मरण

(3) रिपोर्ताज (4) कहाणी

51 'सैनाणी' किण कवि री चावी नै ठावी कविता है ?

(1) मेघराज मुकुल (2) सुमनेश जोशी

(3) विजयसिंह पथिक (4) भीम पण्ड्या

52 'दीपै वां रौ देस, ज्यां रौ साहित जगमगै' पंक्ति किण कवि री रचना है ?

(1) जयनारायण व्यास (2) गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद'

(3) उदयराज ऊजळ (4) ऊमरदान लाळस

53 'बिरखा – बिनणी' गीत रा रचनाकार है –

(1) सुमनेश जोशी (2) रेवतदान चारण

(3) भरत व्यास (4) रावत सारस्वत

54 'थे मजा करौ महाराज, आज थारी पांचू ई घी में है।
म्है पुरस्यौ सगळो देस, ओर थारै कांई जी में है॥'
ई पंक्तियां किण कवि री है ?

(1) दुर्गासिंह गौड़ (2) गणेशीलाल व्यास उस्ताद

(3) मोहम्मद सद्दीक (4) नानूराम संस्कर्ता

55 ''जिण वन भूल न जावता, गैंद गवय गिड़राज।

तिण वन जंबुक ताखड़ा, ऊधम मंडै आज॥

इण दूहे रै मांय, आयोड़ै 'जंबुक' शब्द रौ व्यंजनार्थ है --

(1) बन्दर
(2) जोधा
(3) अंग्रेज
(4) सिंह

56 इणां मांय रेखाचित्र लिखणिया है –

(1) सांवर दइया
(2) ब्रजमोहन जावलिया
(3) मदनमोहन परिहार
(4) श्रीलाल नथमल जोशी

57 राजस्थानी लोकसाहित्य पै काम करणिया विद्वान है –

(1) रावत सारस्वत
(2) डॉ. वेंकट शर्मा
(3) डॉ. महेन्द्र भानावत
(4) बुलाकी शर्मा

58 इणां में राजस्थानी व्यंग्य लेखन लिखणिया रचनाकार नीं है –

(1) हरमन चौहाण
(2) कुंदन माली
(3) डॉ. मदन केवलिया
(4) मनोहरसिंह राठौड़

59 राजस्थान रौ मांगलिक खाणौ है --

(1) लाडू
(2) खीर
(3) हलवो
(4) लापसी

60 'खेजड़ी' रूंख रौ पौराणिक नांव है –

(1) आम्र (2) शमी

(3) देवदारू (4) सेमल

61 'पायळ' गहणो शरीर रै किण अंग रै मांय पैरीजै ?

(1) पगां में (2) हाथां में

(3) गळे में (4) कानां में

62 राजस्थान रै मांय सबसूं मोटो दसरावो मेळौ कठै भरीजै ?

(1) निम्बाहेड़ा (2) कोटा

(3) जोधपुर (4) जयपुर

63 कुण सी पत्रिका राजस्थानी भाषा री पत्रिका नीं है ?

(1) जागती जोत (2) माणक

(3) मधुमती (4) बिणजारो

64 'मांड' गायकी रौ सम्बन्ध कुण सै जिला सूं है ?

(1) जैसलमेर (2) नागोर

(3) जालोर (4) जोधपुर

65 संत भावजी रौ जळम हुयो –

(1) बेणेश्वर (2) डूंगरपुर

(3) साबला (4) बांसवाड़ा

66 'गोरबंध' सूं किण पशु नै सिणगारीजै ?

(1) ऊंट नै (2) बळद नै

(3) घोड़ नै (4) हाथी नै

67 'लीलै घोड़े रै असवार' रै नांव सूं जाणीजै –

(1) बाबो रामदेव (2) महाराणा प्रताप

(3) दुर्गादास राठौड़ (4) गोगाजी चौहाण

68 राजस्थानी भाषा में आकाशवाणी रै किण केन्द्र सूं समाचारां रौ प्रसारण सब सूं पैली शुरू हुयौ ?

(1) जयपुर (2) उदयपुर

(3) जोधपुर (4) बीकानेर

69 'आखातीज' मूल रूप सूं तिंवार है –

(1) बामणां रौ (2) बोपारियां रौ

(3) करसां रौ (4) जोगियां रौ

70 हळबाणी कांम में आवै –

(1) खेत में निदांण करतां (2) सूड़ करतां

(3) हळ में (4) वेरौ जोततां

71 "तीतर पंखी बादळी, विधवा काजळ रेख।

आ बरसै वा घर करै, इण में मीन न मेख॥"

ओ दूहो सम्बन्ध राखै –

(1) सगुन विचार सूं

(2) विणज – व्योपार सूं

(3) जुध सूं

(4) बहीखाता सूं

72 लोकदेवी आवड़जी रौ सम्बन्ध है –

(1) वागड़ धरा सूं

(2) शेखावाटी सूं

(3) जंगऴ धरा सूं

(4) माड धरा सूं

73 सारंगी री तरै सूं दिखण वाळौ वाद्य यंत्र है –

(1) खंजरी

(2) तंदूरौ

(3) रावणहत्थौ

(4) कमायचौ

74 'पंखेरुआं' विषयक लोकगीतां मांय सब सूं घणौ चावौ लोकगीत है –

(1) कागा

(2) मोरियौ

(3) कुरजां

(4) हंस

75 'केसर काळवी' नांव है –

(1) गाय रौ

(2) घोड़ी रौ

(3) हथणी रौ

(4) सांप रौ

SPACE FOR ROUGH WORK / कच्चे काम के लिये जगह